मोहयाल मित्र

ईश्वरीय इच्छा और व्यक्ति की सोच

एक समय की बात है कि एक गाँव में से एक संत गुजर रहे थे। उन्होंने किसान के खेत में गेहूँ की फसल को लहलहाते देखा। वह प्रसन्न होकर बोले कितनी सुंदर फसल है। ईश्वर तेरी माया और तेरी कृपा अपरम्पार है। उसी समय खेत का मालिक किसान वहाँ आ गया और साधू की बात सुनकर बोला– नहीं, नहीं यह सब तो मेरी मेहनत का फल है, इसमें ईश्वर की इच्छा की कोई बात नहीं है। मैंने ही खेतों को सींचा, हल चलाया थक कर मेरी पीठ में दर्द हो गया। यह सुनहरी पकी फसल मेरे ही परिश्रम का फल है। साधू ने केवल किसान की बात सुनी और आगे चल पड़े।

इस घटना के कुछ महीनों के पश्चात साधू फिर उसी रास्ते से गुजरे और देखते हैं कि सारी फसल को कीड़ों ने खा लिया है। सारे गेहूँ नष्ट हो चुके हैं हे मेरे प्रभु यह सब क्या हो गया। किसान बड़े दुखी मन से संत के पास आकर बोला– हाँ मेरे सारे खेत नष्ट हो गए हैं। ईश्वर ने तो मुझ बरबाद ही कर दिया और रोने लगा।

साधू ने उसे समझाया और बोले–देखो यह हमारा स्वार्थ है। जब हमारे जीवन में कुछ अच्छा–अच्छा होता है, तो इंसान इस सब का श्रेय खुद लेकर अपनी ही प्रशंसा के पुल बाँधने लगता है। परन्तु जब कोई मुसीबत आ पड़ती है या कोई दुर्घटना हो जाती है तो हम इसमें भगवान को दोष देने लगते हैं। हमें हर समय ईश्वर और उसकी शक्ति को याद रखना चाहिए। केवल उसी की शक्ति से यह ब्रह्माण्ड सक्रिय है। उसी की इच्छानुसार संसार में सब घटनाएं होती है। इंसान तो केवल माध्यम है। अपनी अंतरात्मा में ही ईश्वर के दर्शन करो और उसे अपने पास ही समझो। वह हमारे मन में है। मन को पवित्र बनाओ और उसे स्मरण करो। दुःख तुम्हारे समीप आने से ही घबराएगा।

*द्वारा– **रंजना छिब्बर,** ई.ए. 94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली मो.: 9910695790*

मेरा कसूर क्या है?

माँ मेरा कसूर क्या है? मुझ स्त्री शक्ति को कभी अफीम देकर मारा, कभी किसी ने मेहन्दी के पानी में डूबाकर मारा, कभी किसी ने दहेज के लिए मारा, लेकिन अब तो हद हो गई है, अब तो मुझे गर्भ में ही मार देते हैं। माँ मेरा कसूर क्या है?

आज हमारे देश में नारी अस्मिता एवं नारी भावना पर कुठार घात हो रहा है। जिसमें नारी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। हमारे लिए कितनी शर्म की बात है कि गौ हत्या से भी बड़ा पाप स्त्री भ्रुण हत्या व कन्या हत्या के रूप में हमारे समाज में बड़े पैमाने पर हो रहा है। ये कैसी विडम्बना है? पहले किसी के सामने सिर न झुके इसके लिए बेटियों की हत्या होती रही, परन्तु आज कैसा विलक्षण है? विज्ञान के युग में तो विज्ञान का सहारा लेकर अजन्मी नारी की भ्रुण हत्या व बालिका हत्या एक समाजिक कलंक बन गया है। इसके निवारण हेतू केवल कानून बना देने से इस समस्या का अन्त नहीं होता बल्कि सभी को सजग रहना चाहिए और कानून तोड़ने वाले को कठोर दण्ड देना चाहिए। पुत्र के द्वारा वंश चलेगा, पुत्र के द्वारा मोक्ष मिलेगा, पुत्र ही सम्पति का वारिस होगा। ऐसी–ऐसी धारणाओं के कारण नारी का जन्म ही अवांछनीय बन गया है। समाजिक चेतना जगाने हेतू धर्माचार्य व साधु संत की ओजस्वी वाणी द्वारा धर्म के आधार पर फैली इन धारणाओं का खंडन करे और नारी अस्मिता की रक्षा करें।

वही माँ, वही बहन, वही पत्नी, वही पुत्री रूप में।
प्राण एवं संवेदना फूँकती है व स्वर्ग सा सुन्दर बनाती है।।

***-सूरज बाली,** मोहयाल सभा, पांवटा साहिब*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अकांक्षा

■ **श्रीमती कृष्णलता छिब्बर** *(सेक्रेटरी रिश्ते-नाते जीएमएस)*

बचपन से ही कुछ करने की अकांक्षाओं ने मुझे हमेशा प्रेरित किया था। मेरे पिता एवम् माता के सहयोग बिना मैं अधूरी थी। परिवार में हमेशा अपनी बिरादरी के उत्थान की बातें होती थी। मेरे पिता

जी मुझे मोहयाल इतिहास से अवगत कराते थे। जब मैं छोटी थी उस समय मोहयाल मित्र ऊर्दू और अंग्रेजी में प्रकाशित होता था। आप भी अपनी रचना ऊर्दू में लिखकर भेजते थे। मैंने भी कुछ वर्षों के पश्चात् जब मोहयाल मित्र में हिन्दी के कुछ पृष्ठ आने लगे अपनी रचनाएँ भेजनी शुरू की थी। सर्वप्रथम बच्चा अपने घर से ही भले और बुरे गुण सीखता है। बाद में वह दूसरा गुण जहाँ से वह शिक्षा ग्रहण करता है प्राप्त करता वहाँ उसका गुरू जो अध्यापक होता है। उससे अच्छे गुण प्राप्त करता है।

मेरा जन्म 1 जुलाई 1944 भावलपुर (पाकिस्तान) में स्व. मेहता ओंकार दत्त एवम् स्व. माता कौशल्या दत्त के यहाँ हुआ। मेरे परदादा एवं मेहता हरिशचन्द्र दत्ता सदावरतिये थे। मेरे दादा स्व. मेहता दयाराम दत्त एवम् मेरी दादी बाली परिवार से, उनका नाम स्व. भागवन्ती दत्ता था। हमारा परिवार पींड पंजन खोड़िये, डीगियं जिला गुजरात में रहता था। मेरी माध्यमिक शिक्षा केन्द्रीय विद्यालय एवम् उच्च शिक्षा बी.एच.यू. वाराणसी में हुई। कंठ संगीत की विशेष योग्यता भी वाराणसी से प्राप्त की थी। मेरे गुरू माणिकजी थे। मैंने पाँच वर्ष तक वाराणसी में ''कन्या कुमारी हाई स्कूल लक्ष्मी–कुण्ड'' में 8,9 और 10 कक्षाओं को हिन्दी–अध्यापन एवम् कंठसंगीत की शिक्षा दी थी, एवम् स्कूल के लिए चैरिटी शो भी करवाये। जिसमें लोक नृत्य एवम् हिन्दी नाटक ''सही रास्ता'' करवाया था। हिन्दी अकादमी ने मुझे इस नाटक की कुशलता के लिए सिल्वर मेडल एवम् हिन्दी उपन्यास, कविता की पुस्तकें प्रदान की थी। विवाह के पश्चात मैंने दिल्ली में भी बहुत स्टेज शो दिए हैं। तीन वर्ष की आयु से ही स्टेज प्रोग्राम देती हूँ। जिसका सारा श्रेय मेरे पिता स्व. मेहता ओंकार दत्त, माता कौशल्या देवी एवम् मेरे पति श्री सुशील कुमार छिब्बर जी को जाता है। स्त्री बिना पति के सहयोग से कोई भी सामाजिक कार्य नहीं कर सकती हैं। उसमें उसके परिवार का सहयोग बहुत जरूरी है। हमारे तायाजी श्री सुनहरी लाल छिब्बर पति के परिवार से मोहयालित के किस्से हमें सुनाते रहते थे।

मैंने 35 वर्ष तक नई दिल्ली सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंसारी नगर में हिन्दी अध्यापिका पद पर कार्य किया था। स्कूल में बच्चों को नृत्य, संगीत, नाटक, कविता, हस्तकला प्रतियोगिता में ले जाती थी, एवम् बच्चे पुरस्कृत भी होते थे। मेरे द्वारा हस्तकला की बनाई वस्तुएँ ''सुश्री मंजुला दत्ता'' द्वारा संकलन कर मोहयाल कांफ्रेंस 1999 में जो तालकटोरा स्टेडियम में रखी गई थी। उसी मोहयाल कांफ्रेंस में भी, मैं और मेरे पति ने रिश्ते–नाते काउंटर पर स्व. डी. आर. छिब्बर जी की देख–रेख में कार्य किया था। मैं और मेरे पति 24 वर्ष से जनरल मोहयाल सभा के साथ सेवारत हैं। इन्द्रपुरी स्व. श्री डी.आर. छिब्बर जी के साथ ''शादी दरबार'' में उनका सहयोग करते थे। हिन्दी लेखिका संघ की मैं सदस्य हूँ। 18 वर्ष से भाई मतिदास थ्रेफ्ट सोसायटी महरौली की अधिक्षक सदस्य हूँ। 32 वर्ष से नीति बाग क्लब के सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों को करवाती हूँ। प्रत्येक वर्ष नीतिबाग कलब द्वारा सीनियर सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट श्री पी.एच. पारीखजी जी द्वारा कुशल सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए सम्मानित की जाती हूँ। में नीतिबाग महिला क्लब की कोषाध्यक्ष एवं सदस्य हूँ। नीतिबाग ''सुन्दरकाण्ड'' की प्रधाना हूँ, सुन्दरकाण्ड पाठ भी करती हूँ।

जनरल मोहयाल सभा द्वारा जो भी कार्य मुझे सौंपा गया जैसे– मोहयाल दिवस, प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान, ए.जी.एम., मैट्रोमोनियल, यूथ मेला रिपोर्ट (समाचार पत्र), मोहयाल मित्र (हिन्दी प्रकाशन) आदि। उसे मैंने अपनी योग्यता से पूरा किया था। मैट्रोमोनियल मेला करने का विचार हमने प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी के सन्मुख रखा था। उनके दिशानिर्देशन से यह 2006 प्रथम मेला रिश्ते–नाते हुआ था। अभी वर्ष 2013 तक छः रिश्ते–नाते मेले हो चुके हैं।

ईश्वर से प्रार्थना करूँगी, जबतक मेरा जीवन है में अपनी रचनाएँ हिन्दी में मोहयाल मित्र में प्रकाशित करती रहूँ, मोहयाल बिरादरी की सेवा करती रहूँ। जो भी कार्य जीएमएस द्वारा मुझे सौंपा जाए उसे कुशलता–पूर्वक पूरा करती रहूँ।

जय मोहयाल, जय मोहयाल, जय मोहयाल!

पैसे की महानता

पैसे बिना बाप तो, पूत को कपूत कहे,
पैसे बिना बहन कहे तू न मेरा भाई है।
पैसे बिना चाचे–ताये, कहत ना भतीजा मूल,
पैसे बिना आदर ना होवे सकी माई है।
पैसे बिना नार कहे, मेरे लिए गया–मोया,
पैसे बिना सास कहे तू किसका जवाई है।
पैसे बिना बैठया ना जाए, सभा के बीच,
पैसे बिना सब भूल जाए चतुराई है।

दुख में खुश रहना

दुख आता है सुख देने को,
ऐ मूर्ख क्यों घबराता है,
जब जोर की गर्मी पड़ती है,
तब बादल मींह बरसाता है,
ऐ दिल कुछ ग़म न कर,
चाहे तुझ पे गम की रात है,
फिर वही दिन आयेंगें,
दो चार दिन की बात है।

-अमर सिंह मोहन *(लुधियाना) मो. 8054777108*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बेबी अरण्यां मेहता वासुदेवन का प्रथम जन्मदिवस

दिनांक 25.04.2014 को एटलांटा (जी.ए.) यू.एस.ए. में नानी श्रीमती बिमला मेहता (भीमवाल) एवम् पिता श्री आनंद वासुदेवन माता जी श्रीमती कानन मैहता वासुदेवन के घर बड़ी धूम–धाम से मनाया गया। इस खुशी के मौके पर रिश्तेदार, मित्रगण इकत्रित हुए तथा सभी ने बेबी अरण्यां को बहुत–बहुत आशीर्वाद दिए। तथा मैहता वासुदेवन परिवारों को बहुत–बहुत बधाईयां दी।

गौरतलब है कि अरण्यां मैहता वासुदेवन का जन्म कानन मेहता वासुदेवन एवम् श्री आनंद वासुदेवन के घर 25.04.2013 को एटलांटा (जी.ए.) यू.एस.ए. में हुआ। अरण्यां मेहता वासुदेवन श्री टी वासुदेवन जी एवं श्रीमती उषा वासुदेवन त्रीचूर केरला के निवासी की सुपोत्री है। तथा स्व. श्री मैहता रमेश चन्द्र (भीमवाल) (भूतपूर्व हरियाणा स्टेट ऑरगाईनाजिंग स्काऊटस) एवम् श्रीमती बिमला मेहता (भीमवाल) की दोहती है।

इस खुशी के मौके पर नानी श्रीमती बिमला मेहता (भीमवाल) ने ग्यारह सौ रुपए जीएमएस के एजूकेशन फण्ड में भेंट किए।

–मैहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे नाना जी)
प्रधान मो.स. अबोहर (पंजाब)

उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण

बेबी ख्वाहिश भीमवाल ने कक्षा चार सी.बी.एस.सी. में ए + (90%) अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण होकर कक्षा पाँच में गई है। बेबी ख्वाहिश भीमवाल मौहल्ला भंगर खेड़ा, तहसील अबोहर, जिला फाजिल्का (पंजाब) के निवासी मेहता प्रमोद कुमार भीमवाल व श्रीमती उषा भीमवाल की सुपुत्री है। तथा श्रीमती कमला भीमवाल एवं स्व. श्री जगदीश चन्द्र भीमवाल की पौत्री है। तथा स्व. श्री नरनारायण भीमवाल एवं स्व. श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल की पड़पौत्री है। तथा स्व. श्री विलायती राम जी मेहता (लौ) एवं स्व. श्रीमती शीला देवी मेहता (लौ) की दोहती है।

इस खुशी के मौके पर सभी भीमवाल परिवार के सदस्यों ने बेबी ख्वाहिश भीमवाल को आशीर्वाद दिया और दादी श्रीमती मेहता कमला भीमवाल जी ने जीएमएस के एजूकेशन फंड के लिए 100 रु. भेंट किए।

–मैहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे दादाजी), चंडीगढ़
मो. 9780160085

■ करयाला जिला चकवाल के स्वर्गीय श्री निरंजन दास मोहन तथा श्रीमती तुलसी मोहन की सुपुत्री तथा अब गैंदां गली, करतारपुर, जिला जालंधर निवासी श्री कस्तूरी लाल बाली रिटायर्ड ए.एस.आइ. पंजाब पुलिस तथा पूर्व निवासी ग्राम टेयी जिला कंपबेल्लपुर पाकिस्तान की विधवा श्रीमती सावित्री देवी बाली ने अपने पोता **रोहन बाली** पुत्र वी.के. और मंजू बाली के 10वीं कक्षा में 9.4 प्रतिशत ग्रेड पाने की खुशी में "मेहता कस्तूरी लाल बाली एजूकेशन फंड ट्रस्ट" में 1100 रुपए दान दिए हैं।

लंगर फंड–हरिद्वार

स्वर्गीय श्री योगेश छिब्बर पुत्र स्व. श्री हरबंसलाल छिब्बर निवासी देहरादून, किसी शापग्रस्त देवता की भाँति धरती पर अवतरित होकर पुनः रहस्यगर्भी आकाश में विलीन हो गए। विडम्बनामय कौतुक यह कि उनका जन्म 24 अक्टूबर 1955 को और देह दाह–संस्कार भी 24 अक्टूबर 2010 को हुआ। मात्र 55 वर्ष का उनका जीवन एक लोकप्रिय व्यक्तित्व, तीक्ष्ण मेधा, मुखर वक्तृता और बहरंगिणी रचना धर्मिता का पर्याय रहा। महाराज सिंह कालेज, सहारनपुर में अंग्रेजी प्राध्यापक स्व. श्री छिब्बर, मोहयाल सभा सहारनपुर के सचिव भी रहे।

स्वर्गीय श्री योगेश छिब्बर की स्मृति को प्रणाम करते हुए उनकी पत्नी डॉ. (श्रीमती) कंचन छिब्बर तथा एकमात्र पुत्र प्रणय छिब्बर, निवासी 12, पी एंड टी कालोनी, आगरा,हरिद्वार लंगर फण्ड में 11000 रुपए भेंट करते हैं। **लंगर तिथिः 23 अक्टूबर**

–कंचन छिब्बर, *12, पी एण्ड टी कॉलोनी, आगरा कैंट*
मो. 9411650700

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

अंबाला छावनी

मोहयाल सभा अंबाला छावनी की बैठक 01.06.2014 को दयाल बाग में 14 मोहयाल भाई बहनों की उपस्थिति में प्रधान श्री आई. आर. छिब्बर जी की अध्यक्षता में मोहयाल मीटिंग आरम्भ हुई। नई सदस्य श्रीमती कंचन वैद निवासी 4046ए कच्चा बाजार का प्रधान जी ने स्वागत करते हुए सभा सदस्यों से परिचय कराया। सबने प्रसन्नता जताई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद एचएफओ, एम.एल. दत्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा सर्वसम्मिति से अनुमोदन हुआ।

श्री वीके वैद जी ने सभा के प्लाट के केस को सुलझाने का सुझाव दिया कि सीधा डिप्टी कमिश्नर अंबाला को लगभग छः, सात सदस्य एक एप्लीकेशन के साथ मिलें, जिस पर सबने सहमति प्रकट की। साथ ही इस विषय पर लोकल विधायक श्री अनिल विज को मिलने का निर्णय लिया गया।

श्रीमती कंचन वैद जिसके पति 10.02.2014 को स्वर्गवास हो गए तथा अपने पीछे बुजुर्ग माता, पत्नी तथा दो स्कूल जाते बच्चे छोड़ गए हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर बच्चों की किताबों का खर्चा लोकल सभा देने पर विचार कर रही है। विधवा सहायता के लिए जीएमएस को प्रार्थना पत्र 25.05.2014 को भेज दिया गया है।

शुभ सूचनाः (क) कुमारी रिया वैद पुत्री सरिता वैद व धमेन्द्र वैद पोती कैप्टन पारस राम वैद निवासी 5 दयाल बाग क्लास 10वीं सी. बी.एस.सी. परीक्षा 9.8 सीजीपी ग्रेड अर्थात 98 प्रतिशत अंक प्राप्त करके पास की है इस पर सदस्यों ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए वैद परिवार को बधाई दी तथा कुमारी रिया बिटिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस शुभ अवसर पर श्री धमेन्द्र वैद ने जीएमएस व लोकल सभा को एक सौ एक रु. प्रत्येक को भेंट किए।

(ख) कुमारी रिया दत्ता पुत्री श्री दीपक दत्ता व श्रीमती विजय दत्ता निवासी दीपक होम्योज़ अंबाला कैंट ने 12वीं सीबीएससी की परीक्षा 72.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके पास की। मोहयाल सभा अंबाला कैंट के सदस्यों ने ढेर सारी बधाई दी व रिया बिटिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दीपक दत्ता जी ने लोकल सभा को 201 रु. तथा जीएमएस को 101 रुपए भेंट किए। सभा की ओर से दत्ता परिवार का धन्यवाद किया गया।

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर, एम.एल. दत्ता, श्री दीपक दत्ता, श्री नरेश वैद, श्री एम.के. वैद प्रत्येक ने 200 रु. प्रदान किए।

अगली मासिक मोहयाल मीटिंग 6.07.2014 को श्री नरेश वैद के निवास स्थान पर होने का निर्णय हुआ। प्रधान जी ने सभा सदस्यों का धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति की।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
फोनः 0171–2660305 *मो. 9896102843*

अबोहर

मोहयाल प्रार्थना गायत्री वंदना के बाद मैहता विश्वामित्र भीमवाल प्रधान की अध्यक्षता में 29.04.2014 को गाँव भंगर खेड़ा में मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल चीफ पैट्रन के घर पर हुई।

स्वास्थ्य लाभः श्री नरेन्द्र मेहता सेक्रेटरी मो.स. पानीपत को चोट लगने के कारण वे विश्राम पर हैं उनके शीघ्र स्वस्थ लाभ की कामना के लिए प्रार्थना की गई।

जीएमएस ने युवा सम्मेलन जो कि वृंदावन में सम्पन्न हुआ था किसी कारणवश सभा के प्रतिनिधि नहीं जा पाए थे उसके सफल होने पर जीएमएस को बधाई तथा आशा प्रकट की गई, मो.स. अबोहर द्वारा कि श्री बी.डी बाली जी मोहयाल रत्न के नेतृत्व में मोहयाल और भी ऊँचाईयों को छुएंगें।

मोहयाल बच्चे बच्चियां के अच्छे अंक लाने पर बहुत–बहुत बधाईयां दी गई। इस मौके पर मेहता विश्वामित्र भीमवाल जी प्रधान ने 300 रुपए जीएमएस के एजूकेशन फंड के लिए दिए।

शांति पाठ के बाद सभा सम्पन्न हुई तथा जलपान के लिए भीमवाल परिवार की बहुओं का सभी सदस्यों ने धन्यवाद किया।

■ सभा की मासिक बैठक दिनांक 02.05.2014 को मेहता विनोद कुमार भीमवाल जी एडवोकेट की कोठी अबोहर में मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल जी चीफ पैट्रन की अध्यक्षता में हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात सबसे पहले दादी जी श्रीमती कमला भीमवाल को उनकी सुपोत्री कुमारी काजल भीमवाल के जन्मदिन पर बहुत–बहुत बधाई दी। सभा के सभी सदस्यों ने एवम् श्रीमती गुलशन भीमवाल, मेहता विनोद कुमार भीमवाल को उनकी सुपुत्री काजल के जन्मदिन पर सभी सदस्यों ने बधाई दी।

मोहयाल सभा खन्ना के प्रधान श्री विनोद दत्त जी को सभा की तरफ से बहुत–बहुत बधाई दी गई, प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह भारत वर्ष द्वारा सम्मानित करने पर।

गाँव भंगर खेड़ा से मास्ट हर्ष भीमवाल सुपुत्र श्रीमती रितु भीमवाल एवम् मेहता श्री देबेन्दर कुमार भीमवाल एवं मास्टर अमन भीमवाल सुपुत्र मेहता जैतेन्दर कुमार भीमवाल (सरपंच) व श्रीमती बाला भीमवाल पंजाब के स्कूलों के योगा की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अमृतसर गए तथा वहाँ पर पंजाब के सम्पूर्ण स्कूलों की योगा की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया तथा तीसरा स्थान प्राप्त किया, सब सदस्यों ने बधाई दी।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। जलपान के भीमवाल परिवार को बहुत–2 धन्यवाद किया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

उत्तम नगर

मोहयाल सभा उत्तम नगर की मासिक बैठक श्रीमती रमा दत्ता जी के निवास स्थान बी–1/81, किरण गार्डन, उत्तम नगर श्री चमन लाल दत्ता की अध्यक्षता में आरम्भ हुई, जिसमें लगभग 25 मोहयाल भाई बहनों ने हिस्सा लिया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल प्रार्थना तथा गायत्री मंत्र द्वारा सभा का कार्यक्रम आरम्भ किया गया। श्री आर.के. मोहन जी पारिवारिक यात्रा के कारण सभा में अनुपस्थित रहे। श्रीमती रमा दत्ता जी (कोषाध्यक्ष) द्वारा सभा का लेखा–जोखा सभा में उपस्थित सदस्यों के सामने पेश किया। श्री अनिल बाली जी के द्वारा सभा की कार्यवाही को जीवित रूप से आगे बढ़ाया और श्री विनीत छिब्बर (प्रचार सचिव) जी की युवाओं के साथ जुड़ते हुए एक घूमने–फिरने का कार्यक्रम बनाने का जिम्मा सौंपा, जिसमें 10 युवाओं ने अपने नाम श्री विनीत छिब्बर को लिखवाए।

श्रीमती रमा दत्ता के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री अनिल कुमार बाली जी व सभी सदस्यों के द्वारा बच्चों को चॉकलेट का तोहफा दिया गया तथा श्रीमती रमा दत्ता जी को बधाई दी गई। श्रीमती रमा दत्ता के पुत्र दीपक ने 500 रु. सभा को भेंट किए और उनकी पौत्री और पोते द्वारा एक सौ एक रु. सभा को भेंट किए।

सभा के सम्पन्न पर सभी सदस्यों ने श्रीमती रमा दत्ता व श्री चमनलाल दत्ता जी की जल–पान के लिए धन्यवाद किया। अगली मीटिंग ए–9/10, किरण गार्डन, उत्तम नगर में श्री विनोद बक्शी जी के निवास स्थान पर होगी।

विनीत बक्शी, *प्रचार सेक्रेटरी*
मो. 8802624221

महिला सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 7 जून को दत्ता फूड जक्शन कृष्ण नगर में श्रीमती ललिता दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सभी बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

सभा में प्रधान श्रीमती ललिता दत्ता जी ने सभी उपस्थित सदस्यों को हर्षोल्लास के साथ सूचित किया कि देहरादून मोहयाल सभा के पूर्व सचिव श्री एस.के. छिब्बर जी के दोहते मास्टर पारथ की ऑल इंडिया मेडिकल कॉम्पीटशन में 1400 रैंक और पूरे उत्तराखण्ड में 29वीं रैंक आई है। हम सबके लिए यह गौरव की बात है। सभा ने पुष्प गुच्छ से मास्टर पारथ का सम्मान किया और कामना की कि वह इसी तरह नई बुलंदियों को छूते रहें और उनका भविष्य उज्ज्वल हो।

श्रीमती इन्दु बाली दत्ता का जन्मदिन 6 जून को था। इनके जन्मदिन पर केक काटा और सभी ने बधाई दी। उनकी बहन यमुना नगर गल्लौर से और अनीता बक्शी की नन्द झाँसी से आई थी। सभा में मेहमानों का स्वागत किया गया।

सभा की कोषाध्यक्ष श्रीमती नीता मोहन के पति श्री ललित मोहन जो काफी समय से बीमार चल रहे हैं। उनके जल्दी स्वस्थ होने की सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की।

अंत में शान्ति पाठ के साथ सभा का समापन हुआ। अगली महिने की मीटिंग 5 जुलाई को दत्ता फूड जक्शन कृष्ण नगर में होगी।

सविता मेहता वैद, *सचिव*
मो. 9837511348

नजफगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली–43 की जून 2014 मास की बैठक दिनांक 01.06.2014 को प्रातः 10:30 बजे प्रधान ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता के निवास स्थान रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 10 बहन–भाई उपस्थित हुए।

बैठक में उपस्थित सदस्यों नेः 1. मई 2014 मास की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया।

2. मई 2014 मास के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

शादी की गोल्डन जुबली की बधाईः दिनांक 12.05.2014 को परिवार के सदस्यों ने श्रीमती संतोष दत्ता एवं श्री रोशनलाल दत्ता, प्रेम नगर, नजफगढ़ की शादी की गोल्डन जुबली की सालगिरह धूम–धाम से मनाई और सभी आमंत्रित सगे–संबन्धी एवं मित्रों ने रात्रि भोज का भी आनन्द लिया।

कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाईः बैठक में सभी सदस्यों ने कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। बैठक में सभा के सदस्यों ने कुछ मुद्दों पर अनौपचारिक तौर पर चर्चा करके समस्याओं का समाधान किया।

अंत में सभी सदस्यों ने श्रीमती नम्रता दत्ता एवं श्री हर्ष दत्ता जी का आवभगत के लिए धन्यवाद किया और एक–दूसरे से विदाई ली।

जुलाई 2014 मास की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली–13 में दिनांक 06.07.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर, *प्रधान*
मो. 9210869406

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 1 जून 2014 को प्रधान श्री कैलाश वैद की अध्यक्षता में श्री ऋत मोहन जी के 463एल, मॉडल टाउन स्थित निवास स्थान पर हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात करनाल के श्री सुधीर मोहन जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। वह स्वर्गीय श्री के.डी. मोहन रिटायर्ड सैशन जज के सुपुत्र थे तथा एडवोकेट श्री राहुल मोहन के पिता थे। साथ ही श्री ऋत मोहन जी के भाई थे।

सदस्यों को सूचित किया गया कि जिन अभिभावकों के बच्चों के दसवीं व बारहवीं कक्षाओं में 80 या उससे अधिक प्रतिशत अंक आए हैं वह समय रहते उनके फार्म भरके जीएमएस कार्यालय में भिजवा दे। ताकि उनका मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह में शामिल हो सके। श्री राजकुमार दत्ता ने बताया कि उनकी बेटी रूहानी दत्ता ने बीटेक के पश्चात एमएनसी में नौकरी प्राप्त की है। साथ ही बेटे पयूश ने भी एमबीए के बाद एमएनसी में ज्वांइन किया है। इस पर दत्ता परिवार को बधाई दी गई है व बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भी कामना की गई। श्रीमती अंजू छिब्बर व नरेंद्र छिब्बर के बेटे सुमिल छिब्बर के भी बारहवीं कक्षा में 85 प्रतिशत अंक लेने पर बधाई दी गई है।

सभा सदस्य भी भूपेंद्र सिंह दत्ता पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। श्री ऋत मोहन जी ने सूचना दी गई कि पिछले माह जीएमएस कार्यकारिणी कर दोबारा से गठन कियाा गया है। सदस्यों ने श्री बी.डी. बाली जी के कुशल नेतृत्व पर खुशी जताई।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई। सभा आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती सुनीता मोहन व श्री ऋत मोहन जी का धन्यवाद किया गया।

नरेंद्र छिब्बर, *सचिव*
मो. 08222023131, 09416412184

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्यामसुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड, बैंक कालोनी

में हुई। सबसे पहले गायत्री मंत्र का पाठ किया गया। प्रधान जी तथा महामन्त्री विजयंत बाली ने सभा की गतिविधियों की जानकारी दी, तथा सभा के कार्यों को नियोजित कर, पूर्व किए गए कार्यों का लेखा–जोखा सभा में दिया तथा आगे से सभा के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक गाँवों में जा कर सभा के सदस्यों की गिनती बढ़ाने तथा अधिक से अधिक मोहयाल भाई बहनों को सभा को साथ जोड़ने के लिए कहा।

दो मई को भगवान परशूराम जयंती पर प्रधान जी ने सभी मोहयाल भाई–बहनों को बधाई दी तथा कहा कि भगवान परशूराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे तथा उनका अवतार निर्बल लोगों की रक्षा के लिए हुआ था। उन्होंने कहा कि यह भ्रामक प्रचार है कि भगवान परशूराम जी ने क्षत्रियों का नाश किया था बल्कि राज जनक उनके परम मित्र थे, उन्होंने अपना धनुष उनके पास छोड़ रखा था।

विजयंत बाली, *सेक्रेटरी*

लुधियाना

हमें यह सूचना देते हुए हर्ष हो रहा है कि मोहयाल सभा, लुधियाना द्वारा दूसरे रक्त दान कैंप का आयोजन दिनांक 15.06.2014 को पिंडी दयाल धर्मशाला, कैलाश सिनेमा के पीछे, लुधियाना में प्रातः 10:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक किया जा रहा है। आप सबसे अनुरोध है कि आप इस कैंप में बढ़चढ़ कर भाग ले तथा रक्त दान करें। जो भाई–बहन रक्त दान करना चाहते हैं वह श्री मुनीष बाली मो: 9888864900 से सम्पर्क करें।

मोहयाल सभा लुधियाना की मासिक मीटिंग इसी स्थान पर इसी दिन को सुबह 11:30 बजे से 1:00 बजे तक होगी, जिसमें मोहयाल भवन बनाने के सम्बन्ध में वार्ता होगी। आप सबसे अनुरोध है कि आप इस मीटिंग में सम्मलित होकर अपने बहुमूल्य विचार दें।

अमोलक सिंह, *प्रधान*
मो: 9417786561

ब्रजमोहन दत्ता, *महासचिव*
मो. 9316834063

बराड़ा

सभा की मासिक बैठक दिनांक 01.06.2014 को सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में श्री राजीव दत्त जी के निवास स्थान दोसड़का में हुई। सभा का प्रारम्भ गायत्री मंत्रोच्चारण से हुआ, लगभग 10 सदस्यों ने भाग लिया।

सभा की कार्यवाही सेक्रेटरी रविन्द्र कुमार छिब्बर जी ने पढ़ के सुनाई। सभा में विचार विमर्श किया गया कि युवा सदस्यों को भी सभाओं में भाग लेना चाहिए। अंत में प्रधान हरदीप सिंह वैद जी ने राजीव दत्त को जलपान का धन्यवाद किया।

शोक समाचार: दिनांक 4 मई 2014 को श्रीमती महिन्द्र कौर दत्ता (पति स्व. चौ. भागमल दत्ता घिलौर व पुत्री स्व. वजीर सिंह छिब्बर बरनाली (पाकिस्तान)) जी का लगभग 95 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हुआ। यह स्वभाव से बहुत ही दिलेर व खुलेदिल की महिला थी। इन्होंने अपने पीछे बहुत ही बड़ा सुखद परिवार छोड़! भगवान इनकी आत्मा को शांति दें।

रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

प्रेमनगर–देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 25.05.2014 को श्रीमती बलवीर कौर दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई। बैठक की अध्यक्षता उपप्रधान श्री हर्षवीर मेहता जी ने की।

मोहयाल प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही आरम्भ की गई।

शोक समाचार: सरदार करतार सिंह दत्ता चाचा श्री जे.एस. दत्ता तथा श्री पकंज शर्मा जो कि श्री राजेश बाली के भाँजे के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सभा के सदस्यों द्वारा मसूरी भ्रमण की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया गया तथा रमेश कुमार दत्ता जी द्वारा भोजन तथा बस की व्यवस्था करने पर धन्यवाद किया गया।

श्री बोनी बाली जी ने आर्युवैदिक औषधि पद्ति पर अपने विचार रखे हैं तथा उसके लाभ बतायें।

सभी सदस्यों ने श्रीमती बलवीर कौर के घर पोता होने पर बधाई दी तथा बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

श्रीमती बलबीर कौर दत्ता द्वारा जलपान की व्यवस्था करने पर धन्यवाद दिया गया।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अन्तिम यात्रा

मैहता रविदत्त वैद जी का निधन

मैहता रविदत्त वैद जी का 08.05.2014 को वीरवार के दिन स्वर्गवास करूक्षेत्र में 80 वर्ष की आयु में हो गया। मेहता श्री रवि दत्त वैद जी का जन्म स्वर्गीय श्री लौकचन्द वैद एवं श्रीमती बुधवंती वैद के घर 22.12.1934 को गाँव डलवाल नजदीक कटासराज तीथ्र (पं. पाकिस्तान) में हुआ।

मेहता रविदत्त वैद, मेहता दीपक वैद, श्रीमती रेणू भीमवाल, श्रीमती सुनेनया बाली एवं श्रीमती मीना छिब्बर के पिता जी थे। गौरतलब है कि मेहता रवि दत्त वैद, श्री राम मेहता जी एवं श्री सुरजीत मेहता फरीदाबाद के मामाजी थे।

मेहता रवि दत्त वैद अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती चंचल वैद, सुपुत्र दीपक वैद, पुत्र वधु श्रीमती प्रिया वैद, पौत्र मास्टर साहिल वैद एवंम् पौत्री कुमारी खुशी वैद। बड़ी सुपुत्री श्रीमती रेणू भीमवाल एवं मेहता रविकान्त भीमवाल दामाद जी दोहता मेहता पियूश भीमवाल, और दोहतियां समृति भीमवाल एवं श्रुती भीमवाल, दूसरी सुपुत्री श्रीमती सुनेनया बाली एवं श्री राजकुमार बाली दामाद जी, दोहता अमन बाली, दोहती साक्षी बाली। तीसरी सुपुत्री श्रीमती मीना छिब्बर एवम् श्री विजय छिब्बर दामाद जी, एवं दोहता काव्या छिब्बर दोहती गोहिता छिब्बर छोड़ गए हैं।

मेहता रविदत्त वैद बड़े ही नेक दिल, दिलेर, सबके दुखों में काम आने वाले इन्सान थे। धार्मिक सामाजिक कार्यों व मोहयाल बिरादरी के कामों को पूर्ण करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। श्री रविदत्त वैद मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र के प्रधान भी रह चुके हैं। रस्म पगड़ी 18.05.2014 को ब्राह्मण धर्मशाला, हरियाणा में सम्पन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में मोहयाल सभाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया–जैसे कुरूक्षेत्र, फरीदाबाद, पानीपत, करनाल, बराड़ा, यमुनानगर, जगाधरी वर्कशाप, और अबोहर (पंजाब) आदि सभाओं के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में रिश्तेदारों, मित्रगणों एवम मोहयाल बिरादरी ने भाग लिया।

श्री रविदत्त वैद जी ने हरियाणा बिजली बार्ड में जे.ई. प्रथम श्रेणी की साफ सुथरी व इमानदारी से नौकरी की। धर्मपत्नी श्रीमती चंचल वैद ने जनरल मोहयाल सभा को 1000 रु. दान स्वरूप दिए।

–मेहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान मो.स. अबोहर (मो. 9780160085)*

श्रीमती मोहिन्द्र कौर दत्ता का निधन

श्रीमती मोहिन्द्र कौर दत्ता का 04.05.2014 को गाँव घिल्लौर में स्वर्गवास हो गया। श्रीमती दत्ता जी 95 वर्ष की थी वह स्व. श्री भागमल दत्ता जी जो चक जिला गुजरांवाला (पाकिस्तान) की धर्मपत्नी थी। गाँव घिलौर निवासी श्रीमती दत्ता जी स्व. श्री वजीर सिंह छिब्बर व स्व. श्रीमती करतार कौर छिब्बर, गाँव बरनाला तहसील खारियां जिला वजीराबाद (पाक.) की सुपुत्री थी।

श्रीमती दत्ता जी स्व. चौ. पूर्णचन्द दत्ता जी, स्व. चौः दलीप सिंह दत्ता जी एवं चौ. गुरदीप सिंह दत्ता जी की माताजी थी। वह अपने पीछे अपनी पुत्र वधु श्रीमती चन्द्रकान्ता धर्म पत्नी स्व. चौ. पूर्णचन्द दत्ता जी, श्रीमती सन्तोष दत्ता धर्मपत्नी स्व. चौः दलीप सिंह दत्ता तथा सुपुत्र श्री गुरदीप सिंह दत्ता व पुत्र वधु श्रीमती सुनीता दत्ता को छोड़ गई है। साथ ही सुपुत्री श्रीमती सुनील बाली एवं दामाद श्री राजिन्द्र बाली, श्रीमती रजनी बक्शी एवं दामाद श्री हरीश बक्शी जी एवं दामाद श्री बलबीर बक्शी एवं नाती, नातिनें छोड़ गई हैं।

श्रीमती दत्ता जी के सर्वश्री जितेन्द्र दत्ता एवं पौत्र वधू श्रीमती सुमन दत्ता, श्री राजिन्द्र दत्ता एवं पौत्र वधू श्रीमती सुदेश दत्ता, श्री रतन दत्ता एवं पौत्र वधू श्रीमती ज्योति दत्ता, श्री जवाहर दत्ता पौत्र वधू श्रीमती वनीता दत्ता। श्री तेजन्द्र दत्ता एवं श्री पंकज दत्ता पौत्र हैं। जोकि श्री गुरूदीप सिंह दत्ता जी एवं श्रीमती सुनीता दत्ता के सुपुत्र हैं। साथ ही मास्टर गौरव दत्ता, कनीश दत्ता, सूर्य दत्ता व यश दत्ता इत्यादि पड़पौत्र हैं।

श्रीमती मोहिन्द्र कौर दत्ता जी बड़ी ही नेक दिल तथा सबके दुखों में काम आने वाली महिला थी। धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में वह सबसे आगे रहती थी। श्रीमती दत्ता जी की रस्म पगड़ी 14 मई 2014 को उनके गाँव घिल्लौर, त. रादौर, जिला यमुनानगर (हरियाणा) में सम्पन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में मोहयाल सभाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जैसे मो.स. पानीपत, युमनानगर, जगाधरी वर्कशाप, बराड़ा, करनाल, अबोहर आदि सभाओं के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में रिश्तेदारों, मित्रगणों व मोहयाल बिरादरी ने भाग लिया।

इस मौके पर श्री गुरदीप सिंह दत्ता ने 1100 रु. जीएमएस को भेंट की।*–मेहता विश्वामित्र भीमवाल, प्रधान मो.स. अबोहर*

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल का अड़सवाँ जन्मदिन

स्व श्रीमती सरला भीमवाल का जन्म 31.05.1946 को स्व. श्रीमती सत्या देवी वैद जी एवं स्व. श्री राम रखामल वैद जी के घर जलालपुर जट्टां, जिला गुजरात, प. पाकिस्तान में हुआ। श्रीमती सरला भीमवाल जी धर्मपत्नी मेहता विश्वामित्र भीमवाल एवम् पुत्र वधू स्व. श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल जी व स्व. मेहता नरनारायण भीमवाल जी करियाला, जिला जेहलम (पं.पाकिस्तान) का 68वाँ जन्मदिन 31.05.2014 को उनके

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सुपुत्र ले.कर्नल धीरज भीमवाल एवं श्रीमती सुमन भीमवाल के घर अमृतसर (पंजाब) में सभी सुपुत्रों, पुत्रवधुओं, पौत्रों एवं पौत्रियों व रिश्तेदारों व मित्र गणों ने सुन्दरकाण्ड का पाठ करवा कर जन्म दिन मनाया।

इस मौके पर स्व. श्रीमती सरला भीमवाल के पति मेहता विश्वामित्र भीमवाल ने जीएमएस को 500 रु. एजूकेशन फण्ड के लिए भेंट किए।*–**मेहता विश्वामित्र भीमवाल,** म.नं. 1172, सेक्टर–18सी, चंडीगढ़, मो: 9780160085*

स्वर्गीय मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल का पिचासिवाँ जन्मदिन

स्वर्गीय मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल जी का जन्म मु.पो. भंगर खेड़ा तहसील अबोहर, जिला फिरोजपुर (आजकल जिला फाजिल्का) पंजाब में दिनांक 14.05.1929 को स्व. श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल एवं स्व. मेहता नरनारायण भीमवाल जी करियाला, जिला जेहलम (प. पाकिस्तान) निवासी के घर हुआ।

स्वर्गीय श्री रमेशचन्द्र भीमवाल जी का (85वां) जन्मदिन 14.05.14 को यू.एस.ए. एटलांटा (अमेरिका) में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मेहता जी व दामाद श्री आनंद वासुदेवन जी व सुपुत्री श्रीमती कानन मेहता वासुदेवन ने रिश्तेदारों व मित्र गणों के साथ मनाया।

स्वर्गीय मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल जी की धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मेहता ने स्व. मेहता श्री रमेशचन्द्र भीमवाल के जन्मदिवस पर जीएमएस को एजूकेशन फण्ड के लिए 500 रु. भेंट किए।

–श्रीमती बिमला मैहता, मं.न. 1660 वीनी रिजपाल एटलांटा, जारजिया, यू.एस.ए.

दूसरी पुण्य-तिथि श्रीमती जनक देवी वैद

स्वर्गीय श्रीमती जनक देवी वैद जी धर्मपत्नी श्री बक्शी रमेशचन्द्र वैद जी पुत्रवधू स्व. बक्शी खूबचन्द वैद व स्व. श्रीमती कौशल्या देवी वैद जी (डेरा बक्शीयां) तहसील–गुजरखान, जिला–रावलपिंडी (पं. पाकिस्तान) तथा सुपुत्री स्व. श्री नरनारायण जी भीमवाल व स्व. श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल जी करियाला, तहसील–चकवाल, जिला–जेहलम, (पं. पाकिस्तान) का निधन 12.03.2012 को उनके निवास स्थान मकान नं. 127, वार्ड नं. 2, महरौली, नई दिल्ली में हो गया था।

21 फरवरी 1938 को गाँव भंगर खेड़ा, जिला–फिरोजपुर (पंजाब) में जन्मी स्व. श्रीमती जनक देवी वैद बड़ी धार्मिक, सहनशील व मिलनसार व्यक्तित्व की मालकिन थी। उनकी दूसरी पुण्यतिथि दि. 12.03.2014 को उनके निवास स्थान मकान नं. 127, वार्ड नं. 2, महरौली, नई दिल्ली में मनाई गई। घर में कीर्तन करवाया व ब्राह्मण भोज भी करवाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में रिश्तेदारों के अलावा बड़ी संख्या में मित्रगणों व मोहयाल बिरादरी के लोगों ने भाग लिया। इनका अपना भरा पुरा परिवार जिसमें सुपुत्र, पुत्र वधुएं, पोते, पोतियां, पुत्रियां, दामाद व नाती, नातिनें उपस्थित थे।

इस मौके पर उनके पति बक्शी रमेशचन्द्र वैद ने 250 रुपए जी.एम.एस. के एजूकेशन फण्ड के लिए भेंट किए।

*–**मेहता विश्वामित्र भीमवाल,** (छोटा भाई)*

मेरे वंशक (प्रवर) अश्वत्थामा और मै?

आज एक सफल व्यक्ति का अभिनय कर,
बन–ठन कर निकलता हूँ,
हँसता गाता मुस्कराता हूँ,
यावदाता वन्धुओं के प्रति,
मैत्री भाव दिखता,
उन्हें अपना बनाता हूँ, पर घावों का दर्द बना हुआ है,
क्या अश्वत्थामा के घावों की भाँति,
ये रिस्ते ही रहेंगें,
भीतर ही भीतर,
जीवन भर,
पर परिवारें के बीते महाभारत में,
मैंने तो कभी दुर्योधन का साथ नहीं दिया,
और न ही कभी किसी नारी,
अथवा उसके गर्भस्थ पर वाण संघान किया,
तो फिर मेरे साथ ऐसा क्यों?

*–**भाई वेदव्यास दत्ता,** मेंढर पूंछ, जम्मू*

"माँ की महिमा"

माँ की महिमा क्या बतलाएं
माँ की महिमा क्या बतलाएँ
माँ से ये संसार है
गिनती ना हो पाए जिनकी
उतने माँ के उपकार हैं।

बचपन से अब तक है पाला
बचपन से अब तक है पाला
मुसीबातों से भी संभाला
सदा प्रेरणा बनके हमको
आगे बढ़ना सिखलाया।

हमें खिलाया अच्छा खाना
खूद ने खाया रूखा सूखा
ममता की मूरत हर माँ को
मेरा बहुत प्रणाम है।

माँ से बढ़कर कोई नहीं
माँ से बढ़कर कोई नहीं
माँ तो बड़ी महान है।

*–**कुमारी जिज्ञासा मेहता***
सुपुत्री मेजर सरताज मेहता (मोहन)
अंबाला कैंट, हरियाणा

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

समय का महत्व

समय, सफलता की कूंजी है। समय का चक्र अपनी गति से चल रहा है या यूँ कहें कि भाग रहा है। अक्सर इधर–उधर कहीं न कहीं किसी न किसी से ये सूनने को मिलता है कि क्या करें समय ही नहीं मिलता। वास्तव में हम निरंतर गतिमान समय के साथ कदम से कदम मिला कर चल ही नहीं पाते और पिछड़े जाते हैं। समय जैसी मूल्यवान संपदा का भंडार होते हुए भी हम हमेशा उसकी कमी का रोना रोते रहते हैं क्योंकि हम इस अमूल्य समय को बिना सोचे समझे खर्च कर देते हैं।

विकास की राह में समय की बरबादी ही सबसे बड़ा शत्रु है। एक बार हाथ से निकला हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। हमारा बहूमूल्य वर्तमान क्रमशः भूत बन जाता है जो कभी वापस नहीं आता। सत्य कहावत है कि बीता हुआ समय और बोले हुए शब्द कभी वापस नहीं आ सकते। कबीर दास जी ने कहा है कि–

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलै होएगी, बंहुरी करेगा कब।।

सच ही तो है मोहयाल बन्धुओं किसी भी काम को कल पर नहीं टालना क्योंकि आज का कल पर और कल का काम परसों पर टालने से काम अधिक हो जाएगा। बासी काम, बासी भोजन की तरह अरुचीकर हो जाएगा। समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने–चाँदी की तरह रखा नहीं जा सकता, क्योंकि समय तो गमितान है। इस पर हमारा अधिकार तभी तक है, जब हम इसका सद्पयोग करें, अन्यथा ये नष्ट हो जाता है। समय का उपयोग धन के उपयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि हम सभी की सुख–सुविधा इसी पर निर्भर है।

चाणक्य के अनुसार–जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता, उसके हाथ असफलता और पछतावा ही लगता है। समय जितना किमती और वापस न मिलने वाला तत्व है उतना उसका महत्व हम लोग प्रायः नहीं समझते। परन्तु जो लोग इसके महत्व को समझते हैं वो विश्व–पटल के इतिहास पर सदैव विद्यमान रहते हैं।

''ईश्वरचन्द्र विद्यासागर समय के बड़े पाबंद थे। जब वे कॉलेज जाते तो रास्ते के दुकानदार अपनी घड़ियाँ उन्हें देखकर ठीक करते थे।''

''गैलेलियो दवा बेचने का काम करते थे। उसी में से थोड़ा–थोड़ा समय निकाल कर विज्ञान के अनेक आविष्कार कर दिए।''

''घर–गृहस्थी के व्यस्त भरे समय में *हैरियट वीचर स्टो* ने गुलाम प्रथा के विरुद्ध आग उगलने वाली पुस्तक ''टॉम काका की कुटिया'' लिख दी, जिसकी प्रशंसा आज भी बेजोड़ रचना के रूप में की जाती है। ''कहने का आशय है कि प्रत्येक विकासशील एवं उन्नतशील लोगों में एक बात समान है–समय का सद्पयोग।

समय का प्रबंधन प्रकृति से स्पष्ट समझा जा सकता है। समय का कालचक्र प्रकृति में नियमित है। दिन–रात, ऋतुओं का समय पर आना–जाना है। यदि कहीं भी अनियमितता होती हैं तो विनाश की लीला भी प्रकृति सीखा देती है। समय की उपेक्षा करने पर कई बार विजय का पासा पराजय में पलट जाता है। नेपोलियन ने आस्ट्रिया को इसलिए हरा दिया कि वहाँ के सैनिकों ने पाँच मिनट का विलंब कर दिया था, लेकिन वहीं कुछ ही मिनटों में नेपोलियन बंदी बना लिया गया, क्योंकि उसका एक सेनापति कुछ विलंब से आया। वाटरलू के युद्ध में नेपोलियन की पराजय का सबसे बड़ा कारण समय की अवहेलना ही थी। कहते हैं खोई दौलत फिर भी कमाई जा सकती है। भूली विद्या पुनः पाई जा सकती है, किन्तु खोया हुआ समय पुनः वापस नहीं लाया जा सकता, सिर्फ पश्चाताप ही शेष रह जाता है।

समय के गर्भ में लक्ष्मी का अक्षय भंडार भरा हुआ है, किन्तु इस वही पाते हैं जो इसका सही उपयोग करते हैं। जापान के नागरिक ऐसा ही करते हैं, वे छोटी मशीनों या खिलौनों के पूर्जों से अपने व्यावसायिक कार्य से फुरसत मिलने पर नियमित रूप से एक नया खिलौना या मशीनें बनाते हैं। इस कार्य से उन्हें अतिरिक्त धन की प्राप्ति होती है। उनकी खुशहाली का सबसे बड़ा कारण समय का सद्पयोग ही है।

समर्थ गुरू स्वामी रामदास कहते थे कि–

एक सदैव पणचैं लक्षण।
रिकामा जाऊँ ने दो एक क्षण।।

अर्थात्, ''जो मनुष्य वक्त का सद्पयोग करता है, एक क्षण भी बर्बाद नहीं करता, वह बड़ा सौभाग्यवान होता है।'' समय तो उच्चतम शिखर पर पहुँचने की सीढ़ी है। जीवन का महल समय की, घंटे–मिनटों की ईंट से बनता है। प्रकृति ने किसी को भी अमीर–गरीब नहीं बनाया, उसने अपनी बहुमूल्य संपदा यानि की चौबीस घंटे सभी को बराबर बांटे हैं। मनुष्य कितना ही परिश्रमी क्यों न हो परन्तु समय पर कार्य न करने से उसका श्रम व्यर्थ चला जाता है। वक्त पर न काटी गई फसल नष्ट हो जाती है। असमस बोया बीज बेकार चला जाता है। जीवन का प्रत्येक क्षण एक उज्ज्वल भविष्य की संभावना लेकर आता है। क्या पता जिस क्षण को हम व्यर्थ समझ कर बर्बाद कर रहे हैं, वही पल हमारे लिए सौभाग्य ही सफलता का क्षण हो। आने वाला पल तो आकाश कुसुम की तरह है इसकी खुशबू से स्वयं को सराबोर कर लेना चाहिए।

फ्रैंकलिन ने कहा है–समय बर्बाद मत करो, क्योंकि समय से ही जीवन बना है।

ये कहना अतिशयोक्ति न होगी कि, वक्त और सागर की लहरें किसी की प्रतिक्षा नहीं करती। हमारा कर्त्तव्य है कि हम समय का पूरा–पूरा उपयोग करें।

–लाल प्रवेश मेहता (वैद), *एडवोकेट देहरादून*
मो.: 9411108845

मोहयाल आश्रम वृंदावन

मोहयाल आश्रम वृंदावन पधारें, हम आपके स्वागत के लिए तैयार हैं। श्रीकृष्ण और राधा जी की लीलास्थली में बना आश्रम समस्त सुविधाओं से सुसज्जति हैं। सपरिवार तीर्थ यात्रा का कार्यक्रम बनाएँ।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN –2014

***For Classes* Secondary *and* Sr. Secondary**
(Mohyal Students)

Eligibilty: 80 percentage and above **Last Date: 31st August 2014**

1. Name: ..... (Caste– Bali, Bhimwal , Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)
2. Mother's Name: ..... (Caste before marriage.....)
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: .....
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	Percentage .....

....
Signature of student **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2014 Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Secy. GMS and Convenor Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor